जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 419 प्रभात हिण्डौन सिटी, शुक्रवार 2 जनवरी, 2026 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

भाजपा सुनियोजित तरीके से गंभीरता से युवा नेताओं का ''ग्रुप'' तैयार कर रही है

इस ''ग्रुप'' के नेता आगामी बीस साल तक पार्टी को नेतृत्व प्रदान करेंगे, 2047 के लिए निश्चित ''रोड मैप'' का अनुसरण करते हुए, लक्ष्य तक पहुँचाएंगे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- इस दृष्टि से मकर सक्रांति के बाद केन्द्रीय मंत्रिमंडल में बहुप्रतीक्षित फेरबदल में युवा चेहरों पर फोकस होगा।
- इसी प्रकार नव चयनित पैंतालीस वर्षीय पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन जब अगले माह अपनी जिम्मेवारी संभालेंगे और अपने पदाधिकारियों की नई टीम गठित करेंगे, पार्टी के कई महासचिव व सचिव व अन्य पदाधिकारियों की जगह युवा नेताओं को स्थान दिया जाएगा।
- राज्यसभा में भाजपा के सदस्यों की संख्या बढ़ेगी, बिहार, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में पार्टी को मिली सफलता के कारण। इस बार राज्यसभा में 37 सीटें, अप्रेल में खाली हो जाएंगी, पुराने सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने के कारण। इन रिटायर हो रहे सदस्यों में भाजपा के 9 सांसद भी हैं। भाजपा के अब पहले से ज्यादा सदस्य चुने जाएंगे, राज्यसभा के सदस्य के रूप में। नये सदस्यों के चयन में भाजपा पुनः युवा नेताओं को मौका देगी।

नई दिल्ली, 1 जनवरी। भाजपा का आमूलचूल बदलाव, जो 2025 में शुरू हुआ था, इस वर्ष उसके गति पकड़ने की संभावना है। यह नेतृत्व में एक पीढ़ीगत बदलाव का संकेत है।

अन्य राजनीतिक दलों के विपरीत, भाजपा रणनीतिक रूप से जनरेशन ज़ैड और मिलेनियल्स को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए काम कर रही है। ज्ञातव्य है कि इन वर्गों के बीच हाल ही में बढ़ते हुए असंतोष की घटनाएं सामने आई हैं। 15 अगस्त 2024 को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में 1,00,000 ऐसे युवाओं को राजनीति में लाने की बात कही थी, जिनका पहले कोई राजनीतिक जुड़ाव नहीं रहा। पिछले साल जनवरी में, विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद की शुरुआत की गई थी तथा प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस तीन दिवसीय सम्मेलन में भाग लिया था।

जब नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन अपनी टीम का गठन करेंगे, तब राष्ट्रीय संगठन में नये और युवा चेहरों को शामिल किये जाने की संभावना है। कई वरिष्ठ महासचिवों और सचिवों के स्थान पर युवा नेताओं को लाया जा सकता है। नबीन को फरवरी में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नये साल में 299 घायल चालक ट्रॉमा सैंटर पहुँचे

जयपुर, 1 जनवरी। नववर्ष के जश्न में नशे के जोश ने राजधानी की सड़कों को खून से लाल कर दिया। देर रात शराब के नशे में तेज रफ्तार दुपहिया और चौपहिया वाहन चलाने से हुए हादसों में 299 घायल सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। पुलिस की सख्त अपीलों और निगरानी के बावजूद, युवाओं की लापरवाही भारी पड़ी, जिसका सीधा असर एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में देखने को मिला।

नववर्ष की रात 8 बजे के बाद सड़क हादसों के मामलों में अचानक

- शराब के नशे में तेज वाहन चलाते हुए इन घायलों में से एक की मौत हो गई व 50 की हालत गंभीर है।

बढ़ोतरी दर्ज की गई। देर रात तक घायलों का सिलसिला चलता रहा और ट्रॉमा सेंटर पूरी तरह व्यस्त रहा।

एसएमएस ट्रॉमा सेंटर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. बी.एल. यादव ने बताया कि बीते 24 घंटों में कुल 299 घायल इलाज के लिए लाए गए। इनमें से एक घायल की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि 50 घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। शेष 249 घायलों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सबको अपने घर में मातृ-भाषा बोलनी चाहिए'

मोहन भागवत ने छत्तीसगढ़ में हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, देश में सामाजिक समरसता से ही भारत की पहचान है

- जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- भागवत ने अनुसार, अगर कोई किसी अन्य प्रदेश में रहता है तो उसको उस प्रदेश की भाषा भी सीखनी चाहिए। क्योंकि सभी भाषाएं, राष्ट्रीय भाषाएं हैं और सबका बराबर महत्व है।
- भाजपा के कई नेताओं ने भागवत के भाषण को सही बताया और समर्थन किया।
- पर, विपक्ष ने कटाक्ष किया कि भागवत किस राजनीतिक पार्टी के सोच का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। भाजपा तो उनकी इस सोच का अनुसरण नहीं करती और न ही उनके इस उदार सोच से प्रेरणा लेती है।

नई दिल्ली 1 जनवरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को देशभर में सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का आव्हान किया और लोगों से भाषा, जाति और संपत्ति के विभाजन से ऊपर उठने की अपील की। भागवत के अनुसार, लोगों को घर पर अपनी मातृभाषा बोलनी चाहिए और साथ ही यह भी कहा कि सभी भाषाओं का समान महत्व है।

भागवत के ये बयान क्षेत्रीय दलों, खासकर दक्षिण भारतीय दलों द्वारा लगाए गए इन आरोपों के बीच आए हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली केन्द्र सरकार ''क्षेत्रीय भाषाओं की कीमत पर हिंदी को प्राथमिकता देने की कोशिश कर रही है''। भागवत के बयान उस समय आए हैं, जब त्रिपुरा के एक छात्र एंजेल चकमा की देहरादून में कथित नस्ली उत्पीड़न के बाद हुई हत्या के बाद देश भर में नाराज़गी बढ़ रही है। सार्वजनिक आक्रोश के बीच, भागवत ने दोहराया कि पूरा देश सभी का है और सौहार्द भारत की पहचान है।

भागवत ने कहा, ''कम से कम हमारे घरों के अंदर हमें अपनी मातृभाषा में बात करनी चाहिए। यदि आप किसी अन्य राज्य या क्षेत्र में रहते हैं, तो आपको उस राज्य या क्षेत्र की भाषा सीखनी चाहिए, क्योंकि सभी भाषाएँ भारत की राष्ट्रीय भाषाएँ हैं। उनका सभी का समान महत्व है,'' भागवत छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले के सोनपैरी गांव में आयोजित ''हिंदू सम्मेलन'' को संबोधित कर रहे थे।

कई भाजपा नेताओं ने आर.एस.एस. प्रमुख के इन बयानों की सराहना की तथा कहा कि उनके संदेश ने ''भारतीय पहचान की सबको साथ लेकर चलने की प्रकृति को रेखांकित किया''।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भागवत ने सही भावना में बात की है। पाठक बोले ''उन्होंने सही कहा है। वे लगातार सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देते हैं, लोगों को एकजुट करते हैं, और हम सभी एक ऐसे तरीके से आगे बढ़ रहे हैं, जो भारत की संस्कृति को दर्शाता है, जिसमें सभी को शामिल किया गया है,''

शिवसेना नेता शायना एनसी ने इस पर प्रतिक्रिया दी कि भारत हमेशा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम मेयर ममदानी ने कुरान पर हाथ रखकर शपथ ली

भारतीय मूल के ज़ोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के 112वें मेयर चुने गए हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- ममदानी ने न्यूयॉर्क के पुराने विख्यात सिटी हॉल सबवे स्टेशन पर शपथ ली। अपनी मेहराबदार छतों के लिए विख्यात यह स्टेशन 1945 से ही बंद है।
- शपथ ग्रहण के बाद ज़ोहरान ने कहा, ''यह उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान और सौभाग्य है।''

नई दिल्ली, 1 जनवरी। ज़ोहरान ममदानी ने एक भव्य समारोह में न्यूयॉर्क सिटी के 112वें मेयर के रूप में शपथ ली। यह ऐतिहासिक समारोह मैनहटन के एक अप्रयुक्त सबवे स्टेशन में हुआ। भारतीय मूल के इस डेमोक्रेट नेता ने अमेरिका के सबसे बड़े शहर के पहले मुस्लिम मेयर के रूप में शपथ ली, और शपथ लेते समय अपना हाथ पवित्र कुरान पर रखा। ऐसा करने वाले वे पहले मेयर हैं।

गुरुवार की आधी रात के बाद ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के मेयर बन गए, और मैनहटन के एक अप्रयुक्त सबवे स्टेशन में शपथ ग्रहण के बाद ममदानी ने कहा, यह पुराना सबवे स्टेशन न्यूयॉर्क सिटी की जान, स्वास्थ्य, और विरासत के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट के महत्व का प्रमाण है।

एसोसिएटेड प्रैस ने बताया, यह सबवे स्टेशन शहर के शुरुाती सबवे स्टॉप्स में से एक है और अपनी शानदार मेहराबदार छतों के लिए प्रसिद्ध है। यह 1945 से बंद है।

ममदानी के कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, ''लंबे समय से बंद सबवे स्टेशन का चुनाव उन मेहनती लोगों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो हर दिन हमारे शहर को चलाते हैं। यह उस दौर का प्रतीक है, जब न्यूयॉर्क ने रोजमर्रा की जिंदगी का बेहतर बनाने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश किया था। हमारा प्रशासन इसे फिर से शुरु करना चाहता है।''

ममदानी ने कहा, ''यह सच में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल और खड़गे ने नववर्ष की बधाई दी

नयी दिल्ली, 01 जनवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को देशवासियों को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और प्रगति एवं समृद्धि के लिए एकता तथा सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स पर शुभकामना संदेश पोस्ट करते हुए कहा,

- दोनों नेताओं ने प्रगति व समृद्धि के लिए एकता तथा सामुहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

''इस उल्लासपूर्ण नववर्ष पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, नया साल, कमजोर वर्गों के अधिकारों, काम का अधिकार, वोट का अधिकार और गरिमा के साथ जीवन जीने के अधिकार की रक्षा के लिए जन आंदोलन बने।'' गांधी ने भी अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, ''आप सभी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जापान को पछाड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना भारत

अधिकारियों ने भविष्यवाणी की है कि अगले तीन साल में भारत जर्मनी को पीछे छोड़ कर तीसरे स्थान पर आ जाएगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- सरकार ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसका शीर्षक है, ''2025 ः ए डिफाइनिंग इयर फॉर इंडियाज़ ग्रोथ''। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 4.18 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी ग्रोथ के साथ भारत ने जापान को पीछे छोड़ दिया है और 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी प्रस्तावित है, तब भारत जर्मनी को पीछे छोड़ कर तीसरे नम्बर पर आ जाएगा।
- वर्ष 2022 में भारत ब्रिटेन को पीछे छोड़ कर पाँचवे स्थान पर आ गया था। सरकार ने दावा किया कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधी तमाम अनिश्चितताओं के बावजूद सतत ग्रोथ भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को दर्शाती है।
- आबादी की दृष्टि से चीन को पीछे छोड़ कर भारत पहले स्थान पर है और भारत की 1.4 बिलियन आबादी 10 से 26 साल के बीच की है और इस युवा वर्ग के लिए भारी रोज़गार सृजन की जरुरत है।

नई दिल्ली, 1 जनवरी। साल 2025 खत्म होने से पहले ही भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। यह जानकारी सरकार की साल के अंत की आर्थिक समीक्षा में दी गई है। अधिकारियों को उम्मीद है कि भारत अगले कुछ वर्षों में जर्मनी को भी पीछे छोड़ देगा।

अधिकारियों का कहना है कि अगले तीन वर्षों के भीतर भारत जर्मनी को पार कर सकता है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत का नॉमिनल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4.18 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जिससे वह अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद चौथे स्थान पर आ गया है।

हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि 2026 में आएगी, जब सालाना जीडीपी के अंतिम आंकड़े जारी किए जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़े बताते हैं कि भारत इस साल जापान को पार कर जाएगा। आईएमएफ के 2026 के अनुमान के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 4.51 ट्रिलियन डॉलर और जापान की 4.46 ट्रिलियन डॉलर होगी।

सरकार की हाल में जारी रिपोर्ट ''2025: ए डिफाइनिंग ईयर फॉर इंडियाज़ ग्रोथ'' में कहा गया है कि ''भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और इस रफ्तार को बनाए रखने की अच्छी स्थिति में है। 4.18 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अगले ढाई से तीन साल में 7.3 ट्रिलियन डॉलर की अनुमानित जीडीपी के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद जर्मनी को भी पछाड़ सकता है।''

भारत का यह सकारात्मक आकलन, अगस्त में वाशिंगटन द्वारा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'2000 रु. के 98.41 प्रतिशत नोट वापस आए'

मुंबई, 01 जनवरी। प्रचलन से बाहर किये गये 2000 रुपये के 98.41 प्रतिशत नोट अब तक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास वापस आ गये हैं।

केंद्रीय बैंक ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। उसने बताया कि 2000 रुपये के नोटों को

- रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया ने गुरुवार को एक प्रैस विज्ञप्ति में यह घोषणा की।

प्रचलन से बाहर करने की घोषणा 19 मई 2023 को की गयी थी। उस समय 3.56 लाख करोड़ मूल्य के ये नोट प्रचलन में थे। गत 31 दिसंबर 2025 को यह आंकड़ा घटकर 5,669 करोड़ रुपये रह गया है। इस प्रकार, 98.41 प्रतिशत नोट आरबीआई के पास वापस आ चुके हैं।

विज्ञिप्त में बताया गया है कि 2000 रुपये के बैंक नोटों को वापस लेने की घोषणा के बाद सात अक्टूबर 2023 तक इन नोटों को बैंक शाखाओं में जमा कराने या बदलवाने की सुविधा दी गयी थी।राहुल ...

नयी दिल्ली, 01 जनवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को देशवासियों को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और प्रगति एवं समृद्धि के लिए एकता तथा सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान डिजिफेस्ट में 10 हजार प्रतिभागी शामिल होंगे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने स्टार्टअप्स की फंडिंग और मेंटरिंग के लिए आयोजित समिट की तैयारियों की समीक्षा की

जयपुर, 1 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के स्टार्टअप्स को फंडिंग और मेंटरिंग का वैश्विक मंच उपलब्ध कराने के लिए 4 से 6 जनवरी तक जयपुर में 'राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026' का आयोजन होने जा रहा है। इससे प्रदेश आई.टी. और स्टार्टअप विकास के प्रमुख केन्द्र के रूप में अपनी पहचान बनाएगा।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहली बार वृहद् स्तर पर आयोजित होने जा रही इस समिट में 10 हजार से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे, जिनमें देश व राज्य के स्टार्टअप्स, निवेशक, युवा उद्यमी, आई.टी. प्रोफेशनल्स, शिक्षण संस्थान एवं स्टूडेंट्स सहित, कई राज्यों के सूचना प्रौद्योगिकी तथा उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देश में आयोजित होने जा रहे राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 में 1 हजार 200 से अधिक वैश्विक कम्पनियों के फाउण्डर, सीईओ व निवेशकों सहित, 20 से अधिक यूनीकॉर्न/सूनीकॉर्न स्टार्टअप्स के फाउण्डर शामिल होंगे। डिजिफेस्ट में आयोजित हो रहे सेक्टोरल सेशन में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) सहित अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा होगी।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 में बारह सौ से अधिक वैश्विक कंपनियों के फाउण्डर, सीईओ व निवेशकों सहित 20 से अधिक यूनीकॉर्न/यूनीकॉर्न स्टार्टअप के फाउण्डर शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 2 वर्षों में स्टार्टअप्स के लिए कई नीतिगत निर्णय लिए हैं, जिससे प्रदेश में स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी के विकास का नया ईको सिस्टम विकसित हुआ है। इस समिट के माध्यम से राजस्थान के स्टार्टअप्स को 200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, राजस्थान के आई-स्टार्ट प्रोग्राम में चिन्हित स्टार्टअप्स को इस आयोजन के जरिए एक वर्ष की मेंटरशिप मिलेगी।

शर्मा ने कहा कि इस समिट में कई राज्यों सहित, राजस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के पवेलियन के जरिये प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी तथा स्टार्टअप्स के 114 स्टॉल्स के माध्यम से नवाचारों को पहचान दिलाने का अवसर भी मिलेगा।

राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 के तहत राजस्थान रीजनल एआई इम्पेक्ट कॉन्फ्रेंस का भी आयोजन किया जाएगा। इस कॉन्फ्रेंस में एआई विषय पर आधारित सेक्टोरल सेशन का भी आयोजन होगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में अप्रेल 2025 में राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी एवं दिसम्बर 2024 में राजस्थान एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी लाई गई। इसी कड़ी में अब शर्मा डिजिफेस्ट के दौरान 6 जनवरी को राजस्थान एआई-एमएल पॉलिसी भी जारी करेंगे। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, मुख्यमंत्री कार्यालय, उद्योग एवं वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के उच्चाधिकारी तथा टाई राजस्थान के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्र.मंत्री मोदी ने देशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी

नयी दिल्ली, 01 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को नव वर्ष 2026 के आगमन पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एक्स मंच पर शुभकामना संदेश पोस्ट किया, ''सभी को 2026 की

- प्र.मंत्री ने एक्स पर लिखे अपने संदेश में राष्ट्रीय विकास के लिए एकता और सामुहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

हार्दिक शुभकामनाएं। यह वर्ष सभी के लिए उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए, आपके प्रयासों में सफलता मिले और आप जो भी करें, उसमें संतोष प्राप्त हो। मैं समाज में शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना करता हूं।''अपने नववर्ष संदेश में मोदी ने राष्ट्रीय विकास के लिए एकता और सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि देश आने वाले वर्ष में चुनौतियों पर काबू पाएगा और नई ऊंचाइयों को छुएगा। प्रधानमंत्री का यह संदेश ऐसे समय आया है जब भारत अपनी आर्थिक विकास की गति को आगे बढ़ाने और वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति को मजबूत करने की दिशा में अग्रसर है। मोदी ने नागरिकों से एक समृद्ध और सौहार्दपूर्ण समाज के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आव्हान किया।